Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2018 = 6.371, www.srjis.com
PEER REVIEWED & REFERRED JOURNAL, MAR-APR, 2019, VOL- 6/50

प्रधानमंत्रीकौशल विकास योजनान्तर्गत प्रशिक्षण केन्द्रों पर, प्रशिक्षण–गुणवत्ता के प्रति अभिमत

योगेश यादव
(शोध छात्र– वाणिज्य) जे0 एस0 विश्वविद्यलय; शिकोहाबाद (फिरोजाबाद)
E-mail:- yogeshyadavfzd0001@gmail.com

Abstract

बेरोजगारी की समस्या को हल करने अथवा कम करने के लिये भारत सरकार ने सम्पूर्ण राष्ट्र में शिक्षित बेरोजगारी उन्मूलन हेतु ***"प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना"*** *का शुभारम्भ एवं क्रियान्वयन 15 जुलाई 2015 से, अन्तर्राष्ट्री युवा कौशल दिवस पर कौशल विकास एंव उद्यमता मंत्रालय के माध्यम से किया गया। परन्तु शासन को प्रस्तुत योजना के माध्यम से शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगारों के विभिन्न संसाधनों के सृजन द्वारा रोजगार स्थापित करने सम्बन्धी सफलता की प्राप्ति किस सीमा तक हुई है अथवा नहीं, यह स्पष्ट नहीं कहा जा सकता।ग्रामीण अंचल के प्रशिक्षण केन्द्रों द्वारा धन की बचत / अधिक अर्थ लाभ के लिये; प्रशिक्षण कार्य अनर्ह और कम वेतन पर कार्य करने वाले प्रशिक्षकों द्वारा, प्रशिक्षण कार्य कराया जाता है। ग्रामीण अंचल के प्रशिक्षण केन्द्रों द्वारा धन की बचत / अधिक अर्थ लाभ के लिये; प्रशिक्षण केन्द्रों पर, आवश्यक सामग्री जैसे कम्प्यूटर, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्मार्ट दृश्य श्रब्य सामग्री आदि के नितान्त अभाव में प्रशिक्षण कार्य कराया जाता है।*

पारिभाषिक शब्दावली: *बेरोजगारी, रोजगार, कौशल प्रशिक्षण, उद्यम, उद्यमिता।*

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

शोध प्ररचनाः शोध की प्रकृति एवं अध्ययन के उद्देश्यों की दृष्टि से व्याख्यात्मक शोध अभिकल्प को चुना गया है।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

उद्देश्यः प्रस्तुत शोध कार्य का मूल उद्देश्य **''प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना''** के अन्तर्गत संचालित प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण गुणवत्ता एवं सार्थकता का परीक्षण करना है।

परिकल्पनाः

(1) ''प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना का विधान शिक्षित युवा बेरोजगारों के अनुकूल है।''

(2) शिक्षित युवा बेरोजगारों हेतु प्रधान मंत्री कौशल केन्द्रों पर सरकारी मानकों का अनुपालन किया जा रहा है।

(3) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत संचालित कौशल केन्द्रों प्रशिक्षण गुणवत्ता को महत्व प्रदान किया जाता है।

विश्लेषणः ''प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना'' के माध्यम से देश का विकास एंव बेरोजगारी उन्मूलन की संकल्पना के साथ, व्यापक स्तर पर केन्द्र सरकार द्वारा प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया है। इस संदर्भ में किसी भी स्तर पर कोई भी शोध कार्य वर्तमान समय तक सम्पादित नहीं हुआ है। अतः शोधार्थी ने उक्त योजना के क्रियान्वयन पर सूक्ष्मतम तथा गहन विश्लेषण द्वारा जिला उद्योग केन्द्रों तथा राष्ट्रीयकृत व्यावसायिक बैंकों की वित्तीयन दशाओं तथा सम्बन्धित योजना की उपलब्धियों सम्बन्धी स्थिति का विश्लेषण एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के सफल तथा सुचारू क्रियान्वयन के मार्ग में आने वाली सैद्धान्तिक तथा व्यावहारिक समस्याओं का अध्ययन करने का दृढ़ निश्चय किया है।

तालिका 1 : प्रशिक्षण–गुणवत्ता के प्रति निदर्शितों के प्रत्युत्तर

क्रम	क्या प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण–गुणवत्ता हेतु आवश्यक सामग्री जैसे कम्प्यूटर,निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्मार्ट दृश्य श्रब्य सामग्री उपलबध है ?	आवृतियाँ	प्रतिशत
1	हाँ	126	63.00
2	नहीं	58	29.00
3	उदासीन	16	08.00
	समस्त	200	100.00

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

तालिका (1) के प्राथमिक तथ्यों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण–गुणवत्ता हेतु आवश्यक सामग्री जैसे कम्प्यूटर,निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्मार्ट दृश्य श्रब्य सामग्री की उपलबधता के प्रति 126 (63.00 प्रतिशत) सूचनादाताओं द्वारा सकारात्मक, 58 (29.00 प्रतिशत) सूचनादाताओं द्वारा नकारात्मक प्रत्युत्तर प्रदान किये हैं; जबकि 16 (08.00 प्रतिशत) सूचनादाता प्रत्युत्तर प्रदान किये जाने के प्रति उदासीन पाये गये हैं। नकारात्मक उत्तर प्रदान करने वाले ग्रामीण क्षेत्रों के निदर्शितों द्वारा सूचना प्रदान की गई है कि ग्रामीण अंचल के प्रशिक्षण केन्द्रों द्वारा धन की बचत / अधिक अर्थ लाभ के लिये; प्रशिक्षण केन्द्रों पर, आवश्यक सामग्री जैसे कम्प्यूटर, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्मार्ट दृश्य श्रब्य सामग्री आदि के नितान्त अभाव में प्रशिक्षण कार्य कराया जाता है।

प्रस्तुत तालिका (2) में; प्रशिक्षण केन्द्रों पर; प्रशिक्षण–गुणवत्ता हेतु आवश्यक सामग्री जैसे कम्प्यूटर, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्मार्ट दृश्य श्रब्य सामग्री की उपलब्धता के प्रति, प्रदत्त प्रत्युत्तरों का धर्म एवं लैंगिक संरचना के आधार पर विवरण क्रमशः तालिका 5(2) व तालिका 5(3) में दिया गया है–

तालिका (2) प्रशिक्षण केन्द्रों पर; प्रशिक्षण–गुणवत्ता हेतु आवश्यक सामग्री जैसे कम्प्यूटर, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्मार्ट दृश्य श्रब्य सामग्री की उपलब्धता के प्रति धार्मिक संरचना के सापेक्ष प्रत्युत्तर –

क्रम	**धार्मिक संरचना**	**प्रत्युत्तर**			**योग**
		हाँ	**नहीं**	**उदासीन**	
1	हिन्दू	116	38	12	166
2	मुस्लिम	08	12	02	22
3	अन्य (जैन, बौद्ध आदि)	02	08	02	12
	योग	126	58	16	200

तालिका (3) प्रशिक्षण केन्द्रों पर; प्रशिक्षण–गुणवत्ता हेतु आवश्यक सामग्री जैसे कम्प्यूटर, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्मार्ट दृश्य श्रब्य सामग्रीकी उपलब्धता के प्रति लैंगिक आधार पर प्रत्युत्तर–

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

तालिका (3)

क्रम	जातिगत विवरण	प्रत्युत्तर			योग
		हाँ	नहीं	उदासीन	
1	पुरूष	62	30	08	100
2	महिलायें	64	28	08	100
	योग	126	58	16	200

तालिका 5(3ःग) प्रशिक्षण केन्द्रों पर; प्रशिक्षण–गुणवत्ता हेतु आवश्यक सामग्री जैसे कम्प्यूटर, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्मार्ट दृश्य–श्रब्य सामग्री की उपलब्धता के प्रति आयु संरचना के सापेक्ष प्रत्युत्तर –

तालिका (4)

क्रम	आयु संरचना	प्रत्युत्तर			योग
		हाँ	नहीं	उदासीन	
1	18 – 24 वर्ष	32	23	11	66
2	24 – 30 वर्ष	61	25	04	90
3	30 – 36 वर्ष	29	06	01	36
4	36 से अधिक	04	04	00	08
	योग	126	58	16	200

तालिका (4) प्रशिक्षण केन्द्रों पर; प्रशिक्षण–गुणवत्ता हेतु आवश्यक सामग्री जैसे कम्प्यूटर, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्मार्ट दृश्य श्रब्य सामग्री की उपलब्धता के प्रति, शैक्षिक स्तरों के सापेक्ष प्रत्युत्तर –

तालिका (5)

क्रम	शैक्षिक स्तर	प्रत्युत्तर			योग
		हाँ	नहीं	उदासीन	
1	हाईस्कूल या कम	59	29	08	96
2	इण्टरमीडिएट	18	08	04	30
3	स्नातक	14	04	02	20
4	ड्राप आउट (शिक्षा अवरूद्ध)	35	17	02	54
		126	58	16	200

निष्कर्षः जनपद स्तर पर कौशल विकास केन्द्रों की क्रियाशीलता एवं गुणवत्ता के सम्बन्ध में, औचक निरीक्षण समय–समय पर किये जाने के प्रति 148

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

(74.00 प्रतिशत) सूचनादाताओं द्वारा सकारात्मक, 24 (12.00 प्रतिशत) सूचनादाताओं द्वारा नकारात्मक प्रत्युत्तर प्रदान किये हैं; जबकि 28 (14.00 प्रतिशत) सूचनादाता प्रत्युत्तर प्रदान किये जाने के प्रति उदासीन पाये गये हैं। प्रशिक्षण केन्द्रों पर अर्ह प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किये जाने के प्रति 132 (66.00 प्रतिशत) सूचनादाताओं द्वारा सकारात्मक, 54 (27.00 प्रतिशत) सूचनादाताओं द्वारा नकारात्मक प्रत्युत्तर प्रदान किये हैं; जबकि 14 (07.00 प्रतिशत) सूचनादाता प्रत्युत्तर प्रदान किये जाने के प्रति उदासीन पाये गये हैं। नकारात्मक उत्तरदाताओं का मत है कि प्रशिक्षण केन्द्रों पर अर्ह प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान नहीं किया जाता है । ग्रामीण अंचल के प्रशिक्षण केन्द्रों द्वारा धन की बचत / अधिक अर्थ लाभ के लिये; प्रशिक्षण कार्य अनर्ह और कम वेतन पर कार्य करने वाले प्रशिक्षकों द्वारा, प्रशिक्षण कार्य कराया जाता है। ग्रामीण अंचल के प्रशिक्षण केन्द्रों द्वारा धन की बचत / अधिक अर्थ लाभ के लिये; प्रशिक्षण केन्द्रों पर, आवश्यक सामग्री जैसे कम्प्यूटर, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्मार्ट दृश्य श्रब्य सामग्री आदि के नितान्त अभाव में प्रशिक्षण कार्य कराया जाता है। अतः प्रशिक्षण केन्द्रों कठोर नियंत्रण आवश्यक है।

संदर्भ

बेसिन एफ. एच. (1962) ; ब्यवहारिक विज्ञानों में साहित्य समीक्षाएं, मैक मिलन कम्पनी (प्रा0लिमि0), मद्रास, पृष्ठाँकन 40

बोर्ग जी. पी. (1963) ; सामाजिक विज्ञानों के अनुसंधानों में समीक्षाएं, जैन ब्रदर्स एण्ड कम्पनी, दिल्ली, पृष्ठ–48

सिन्हा पी. आर. (1991) ; अनुसंधान के मूल तत्व, सरस्वती प्रकाशन दरभंगा, बिहार, पृष्ठ 102

सिंह सत्येन्द्र (1991) ; सामाजिक अनुसन्धान पद्धतियाँ एवं सर्वेक्षण, एशिया पब्लिशिंग हाउस बॉम्बे, पृष्ठ 30

स्टाउफर एस. (1962) ; दि डिजाइन आफ सोसल रिसर्च, दि फ्री प्रेस ग्लैन्को, हाल्ट, न्यूयार्क, पृष्ठ 73

वर्मा ओ. पी. (2003) ; भारतीय सामाजिक समस्याएंः 'बेरोजगारी की समस्या' विकास प्रकाशन विश्व बैंक बर्रा, कानपुर, पृष्ठ 208

अटल योगेश (1992) ; शिक्षित बेरोजगारी की समस्या, 'सामाजिक विमर्श' षट्मासिक राष्ट्रीय शोध पत्रिका, मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, पृष्ठ 47

त्रिपाठी ए. के. (2003) ; युवा वर्ग में शिक्षित बेरोजगारी की समस्या 'अनुसंधानिका' शोध पत्रिका, गाजियाबाद, पृष्ठ 132

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies